भारत – ब्राजील संबंध

भारत और ब्राजील के बीच द्विपक्षीय एवं बहुपक्षीय मंचों जैसे कि इब्सा, ब्रिक्स, बेसिक, जी-20, जी-4 अथवा बृहद बहुपक्षीय परिदृश्य जैसे कि यू एन, डब्ल्यू टी ओ, यूनेस्को, डब्ल्यू आई पी ओ आदि में बहुत घनिष्ठ एवं बहुपक्षीय संबंध है। भारत और ब्राजील के बीच द्विपक्षीय संबंधों ने पिछले दशक में सामरिक साझेदारी के आयाम को हासिल किया है। यह साझेदारी साझे वैश्विक विजन, साझे लोकतांत्रिक मूल्यों तथा दोनों देशों के लोगों के कल्याण के लिए सामाजिक समावेशन के साथ आर्थिक विकास को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता पर आधारित है।

राजनीतिक संबंध

ब्राजील के साथ भारत के बहुआयामी द्विपक्षीय संबंध वर्ष 2015 में और गहन हुए। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी तथा राष्ट्रपति डिल्मा वाना राउसेफ ने 8 जुलाई, 2015 को सातवीं ब्रिक्स शिखर बैठक के दौरान एक दूसरे से मुलाकात की। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री ने ब्राजील की राष्ट्रपति से भारत - मर्कोसुर तरजीही व्यापार करार में मदों की सूची के विस्तार में उनकी सहायता के लिए अनुरोध किया तथा राष्ट्रपति डिल्मा राउसेफ ने इस प्रस्ताव का सकारात्मक रूप से जवाब दिया। कृषि तथा तेल एवं गैस के क्षेत्र में सहयोग पर भी चर्चा हुई। प्रधानमंत्री ने यह भी सूचित किया कि भारत और ब्राजील को सी ओ पी 21 जलवायु परिवर्तन शिखर बैठक में घनिष्ठ सहयोग की जरूरत है। ब्राजील ने 30 नवंबर 2015 को प्रधानमंत्री तथा फ्रांस के राष्ट्रपति फ्रांकोस ओलांद द्वारा पेरिस में संयुक्त रूप में लांच किए गए सौर गठबंधन में शामिल होने के लिए ब्सहमति व्यक्त की।

26 सितंबर 2015 को प्रधानमंत्री ने न्यूयार्क में जी-4 बैठक के लिए ब्राजील की राष्ट्रपति को आमंत्रित किया। जी-4 के नेताओं ने इस बात पर जोर दिया कि वैश्विक आयामों के टकरावों एवं संकटों से निपटने के लिए पहले की तुलना में आज अधिक प्रतिनिधिमूलक, वैध तथा कारगर सुरक्षा परिषद की ज्यादा जरूरत है। उन्होंने इस विचार को साझा किया कि 21वीं शताब्दी में अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की सच्चाइयों को प्रतिबिंबित करने वाली संशोधित वैश्विक संरचनाओं द्वारा इसे प्राप्त किया जा सकता है, जहां अंतर्राष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने के संबंध में बड़ी जिम्मेदारी निभाने के लिए अधिक सदस्य देश सक्षम एवं इच्छुक हों।

महत्वपूर्ण द्विपक्षीय यात्राएं :

नियमित आधार पर उच्च स्तरीय द्विपक्षीय यात्राओं ने भारत और ब्राजील के बीच बढ़ते संबंध को स्थाई रूप से गति प्रदान की है। भारत की ओर से उप राष्ट्रपति एस राधाकृष्णन (1954), प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी (1968), प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव (1992 – पृथ्वी शिखर बैठक के लिए), राष्ट्रपति के आर नारायण (1998), प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह (2006, अप्रैल, 2010 और जून, 2012), प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी (जुलाई, 2014) और राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल (2008) ने ब्राजील का दौरा किया है जबकि ब्राजील की ओर से राष्ट्रपति फर्नाडो हरनिक कारडोसो (1996), राष्ट्रपति लूला (2004, 2007 एवं 2008) तथा राष्ट्रपति डिल्मा राउसेफ (मार्च, 2012) ने भारत का दौरा किया है।

भारत की ओर से मंत्री स्तर पर हाल में जो यात्राएं हुई हैं वे इस प्रकार हैं : वित्त मंत्री श्री पी चिदंबरम (नवंबर, 2008), विदेश मंत्री श्री एस एम कृष्णा (अगस्त – सितंबर, 2009), विदेश राज्य मंत्री श्रीमती प्रनीत कौर (मई, 2010), पर्यावरण मंत्री श्री जयराम रमेश (जुलाई, 2010), श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया (सितंबर, 2010, अप्रैल, 2011), कृषि मंत्री श्री शरद पवार (सितंबर, 2010), वाणिज्य, उद्योग एवं कपड़ा मंत्री श्री आनंद शर्मा (जून, 2012), पर्यावरण एवं वन राज्य मंत्री श्रीमती जयंती नटराजन (जून, 2012), इस्पात मंत्री श्री बेनी प्रसाद वर्मा (फरवरी, 2013), आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्री श्री अजय माकन (फरवरी,2013), विदेश मंत्री श्री सलमान खुर्शीद (अक्टूबर, 2013), एवं वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन (जुलाई, 2014)। मार्च 2015 में कृषि मंत्री श्री राधा मोहन सिंह ने ब्रिक्स के कृषि मंत्रियों की दूसरी बैठक में भाग लेने के लिए ब्रासिलिया का दौरा किया। इसी माह में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डा. हर्षवर्धन ने

ब्रासिलिया में ब्रिक्स के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रियों की बैठक में भाग लिया तथा उन्होंने ब्राजील के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री श्री आल्डो रिबेलो के साथ द्विपक्षीय बैठक भी की।

ब्राजील की ओर से मंत्री स्तर पर जो यात्राएं हुई हैं वे इस प्रकार हैं : अप्रैल एवं जुलाई, 2007 में विदेश मंत्री के रूप में और फिर डब्ल्यू टी ओ – दोहा चक्र में मंत्री स्तरीय बैठक के लिए सितंबर, 2009 में चेल्सो अमोरिम की भारत यात्रा तथा फरवरी, 2012 में रक्षा मंत्री के रूप में उनकी यात्रा, स्वास्थ्य मंत्री जोस टेंपोरावो (जुलाई, 2008), उद्योग एवं विदेश व्यापार मंत्री श्री मिगुएल जार्ज (मार्च एवं अक्टूबर, 2008), रक्षा मंत्री श्री नेल्सल जोबिन (मार्च, 2010), विदेश मंत्री श्री अंटोनियो पेट्रियोटा (इब्सा मंत्री स्तरीय बैठक के लिए मार्च, 2011 में और द्विपक्षीय बैठकों एवं भारत – ब्राजील संयुक्त आयोग की बैठक के लिए दिसंबर, 2011 में), नवंबर 2015 में ब्राजील की कृषि मंत्री सुश्री कैटिया अब्रेयू की भारत यात्रा और नवंबर 2015 में विदेश मंत्री राजदूत मौरो वियरा की भारत यात्रा।

भारत – ब्राजील संयुक्त आयोग की सातवीं बैठक :

भारत - ब्राजील संयुक्त आयोग की 7वीं बैठक (जे सी एम) के लिए ब्राजील के विदेश मंत्री राजदूत मौरो वियरा ने नवंबर 2015 में भारत का दौरा किया, जिसकी सह अध्यक्षता 19 नवंबर 2015 को नई दिल्ली में माननीय विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज द्वारा की गई। दोनों विदेश मंत्री इस बात पर राजी हुए कि द्विपक्षीय सहयोग, क्षेत्रीय एवं बहुपक्षीय मुद्दों का जायजा लेने के लिए विदेश कार्यालय परामर्श का आयोजन करने के लिए वरिष्ठ अधिकारी स्तर पर एक तंत्र होना चाहिए। दोनों विदेश मंत्रियों ने यह नोट करते हुए आर्थिक एवं व्यापार संबंधों की समीक्षा की कि द्विपक्षीय व्यापार में और विकास एवं विविधता की प्रचुर संभावना है।

भारत ने शहरी परिवहन, आई टी सेवा एवं उपकरण, फुटवियर, अवसंरचना, ऊर्जा एवं स्वास्थ्य देखरेख सामग्री जैसे क्षेत्रों में ब्राजील के निवेश पर संतोष व्यक्त किया। इसके विपरीत ब्राजील पक्ष ने यह स्वीकार किया कि भारी संख्या में भारत कंपनियों ने ब्राजील में निवेश किया है, जिनमें से 50 से अधिक कंपनियों की तेल, नवीकरणीय ऊर्जा, खनन, इंजीनियरिंग, आटोमोटिवे सेवा, सूचना प्रौद्योगिकी एवं फार्मास्युटिकल जैसे क्षेत्रों में भौतिक उपस्थिति है। भारत ने ब्राजील को एफ डी आई में छूट संबंधी नीतियों तथा मेक इन इंडिया पहल के बारे में जानकारी प्रदान की तथा ब्राजील से अधिक निवेश आमंत्रित किया।

वाणिज्यिक संबंध :

संपूर्ण एल ए सी (लैटिन अमरीकी एवं कैरेबियन) क्षेत्र में ब्राजील भारत के सबसे महत्वपूर्ण व्यापार साझेदारों में से एक है। पिछले दो दशकों में भारत – ब्राजील द्विपक्षीय व्यापार में सारवान रूप से वृद्धि हुई है। तथापि 2015 में वैश्विक स्तर पर वस्तुओं की कीमतों में गिरावट तथा ब्राजील में आर्थिक मंदी से ब्राजील का समग्र व्यापार प्रभावित हुआ। स्पष्ट रूप से भारत - ब्राजील द्विपक्षीय व्यापार पर भी कुछ नकारात्मक प्रभाव महसूस किए गए। भारत की ओर से ब्राजील को निर्यात वर्ष 2015 में 4.29 बिलियन अमरीकी डालर था जबकि यह वर्ष 2014 में 6.63 बिलियन अमरीकी डालर था तथा वर्ष 2013 में यह 6.36 बिलियन अमरीकी डालर था। ब्राजील से भारत का आयात वर्ष 2015 में 3.62 बिलियन अमरीकी डालर था जबकि यह वर्ष 2014 में 4.789 बिलियन अमरीकी डालर था तथा वर्ष 2013 में यह 3.13 बिलियन अमरीकी डालर था। इस प्रकार समग्र द्विपक्षीय व्यापार का मूल्य 7.9 बिलियन अमरीकी डालर था जो 2014 में 11.424 बिलियन अमरीकी डालर से 30.7 प्रतिशत कम है। व्यापार संतुलन 672.13 मिलियन अमरीकी डालर पर भारत के पक्ष में था, जबकि 2014 में यह 1.846 बिलियन अमरीकी डालर था। भारतीय निर्यात में लगभग 39 प्रतिशत मूल्यवर्धित पेट्रोलियम उत्पाद जैसे कि डीजल आदि थे। भारत की ओर से निर्यात की अन्य प्रमुख वस्तुओं में जैविक रसायन तथा फार्मास्युटिकल उत्पाद शामिल हैं जिनका मूल्य 730 मिलियन अमरीकी डालर है। भारत के निर्यात बास्केट में बायलर, मशीनरी एवं यांत्रिक उपस्कर अन्य प्रमुख मदें थीं जिनका मूल्य 226 मिलियन अमरीकी डालर के आसपास था। निर्यात की अन्य महत्वपूर्ण मदों में टेक्सटाइल उत्पाद (कॉटन, अपैरल, असेसरीज आदि) शामिल हैं जिनका मूल्य 150 मिलियन अमरीकी डालर के आसपास था। भारत को ब्राजील के निर्यात में भी पेट्रोलियम उत्पादों, मुख्य रूप से क्रूड ऑयल की बहुलता थी। भारत ने 420 मिलियन अमरीकी डालर मूल्य के

सोया तेल, 363 मिलियन अमरीकी डालर मूल्य की चीनी, 250 मिलियन अमरीकी डालर मूल्य के कॉपर अयस्क और 261 मिलियन मूल्य के गोल्ड का भी आयात किया।

भारत – ब्राजील द्विपक्षीय व्यापार 2008-2015 (मिलियन अमरीकी डालर में)

	भारत का निर्यात	भारत का आयात	भारत के लिए व्यापार संतुलन	कुल व्यापार	वृद्धि प्रतिशत
2008	3,564	1,102	2,461	4,666	49.23
2009	2,191	3,415	-1,224	5,605	20.12
2010	4,242	3,492	750	7,734	37.97
2011	6,081	3,201	2,880	9,282	20.00
2012	5,043	5,577	-544	10,620	14.41
2013	6,357	3,130	3,227	9,487	-10.67
2014	6,635	4,789	1,846	11,424	20.40
2015	4,289	3,617	672	7,907	**-30.7**

भारत और ब्राजील के बीच अनेक क्षेत्रों में निवेश किया गया है। हालांकि ब्राजील की कंपनियों ने भारत में आईटी, आटोमोबाइल, खनन, ऊर्जा, जैव ईंधन, फुटवियर जैसे क्षेत्रों में निवेश किया है, भारतीय कंपनियों ने ब्राजील में आईटी, भेषज पदार्थ, ऊर्जा, कृषि व्यवसाय, खनन, इंजीनियरिंग / आटो जैसे क्षेत्रों में निवेश किया है। ओ एन जी सी, विडियोकोन, टी सी एस, विप्रो, इंफोसिस, कैडिला, महिंद्रा, लार्सन एंड टर्बो, रेणुका सुगर, यूनाइटेड फास्फोरस, पोलारिस जैसी भारतीय कंपनियों की ब्राजील में उपस्थिति है। भारत में ब्राजील की जिन कंपनियों की मौजूदगी है उनमें मार्कोपोलो (आटोमोबाइल), वेल (खनन क्षेत्र की सबसे बड़ी कंपनी), स्टेफानिनी (आईटी), गेरडाउ (स्टील) शामिल हैं।

सांस्कृतिक संबंध :

ब्राजील में भारत की संस्कृति, धर्म, अभिनय कलाओं एवं दर्शन में गहरी रूचि है। ब्राजील पहुंचने वाले भारतीय संस्कृति के जो पहले स्वरूप थे वे किसी न किसी रूप में आध्यात्म, दर्शन एवं धर्म से जुड़े थे। भारत की लोकसाहित्य की पहचानों एवं उत्सवों को ब्राजील के त्यौहारों के रंगारंग एवं मौज-मस्ती भरे स्वरूप से बहुत अधिक जोड़ा जा सकता है जैसे कि ब्राजील के उत्तर एवं उत्तर – पूर्व के ठेठ नृत्य एवं परेड। ब्राजील में जो पहली भारतीय शास्त्रीय कला पहुंची वह भरतनाट्यम नृत्य था तथा इसके ओडिसी, कथक एवं कोचीपुडी नृत्य पहुंचे। पूरे ब्राजील में ऐसे असंख्य संगठन हैं जो योग सिखाते हैं। रामकृष्णन मिशन, इस्कॉन, सत्य साई बाबा, महाऋषि महर्षि योगी, भक्ति वेदांत फाउंडेशन तथा अन्य आध्यात्मिक गुरूओं एवं संगठनों की ब्राजील में उपस्थिति है।

आयुर्वेद ब्राजील में बहुत लोकप्रिय है। इसे ध्यान में रखते हुए 12 से 14 नवंबर, 2013 के दौरान ब्राजील के गोयास राज्य में आयुर्वेद पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम को आयुष विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार तथा गोयास राज्य सरकार द्वारा सह प्रायोजित किया गया।

ब्राजील में महात्मा गांधी जी का काफी सम्मान किया जाता है तथा गैर सरकारी संगठन छात्रों एवं युवाओं और पुलिस में भी अहिंसा के संदेश का प्रसार करने का प्रयास कर रहे हैं। रियो डि जेनेरियो, साओ पाउलो तथा लोंड्रिना में महात्मा गांधी जी की प्रतिमाएं लगाई गई हैं। संस ऑफ गांधी नामक संगठन सल्वाडोर, ब्राजील में बहुत लोकप्रिय है तथा यह हर साल गांधी पोशाक पहनकर सड़कों पर जुलूस निकालता है।

भारतीय सिनेमा भी ब्राजील के लोगों में लोकप्रिय है। दूतावास एवं कांसुलेट द्वारा आयोजित फिल्म सप्ताह में हमेशा अच्छी – खासी भीड़ जमा होती है। ब्राजील के डाक विभाग ने 'भारतीय सिनेमा के सौ वर्ष' के अवसर पर मई, 2014 में एक संस्मारक डाक टिकट जारी किया था। भारतीय समाज से प्रेरित कैमिन्होस डैस इंडिया (पथ

ऑफ इंडिया) नामक टी वी सीरियल ब्राजील में बहुत ही लोकप्रिय है तथा ब्राजील के लोकप्रिय टी वी चैनल ग्लोबो पर इसका पुन: प्रसारण हो रहा है।

ब्रासीलिया में 27 से 31 जनवरी 2015 तक भारतीय खाद्य सप्ताह के चौथे संस्करण का आयोजन किया गया तथा भारत के विविध व्यंजनों को प्रदर्शित किया गया। इस महोत्सव का ब्राजील के स्थानीय लोगों और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने लुल्फ उठाया और इसकी काफी सहारना की।

ब्राजील के 12 प्रमुख शहरों में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। 21 जून 2015 को राष्ट्रपति डिल्मा राउसेफ ने अपने ट्विटर पेज पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी तथा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने ब्राजील के राष्ट्रपति की बधाई के बदले में उनका धन्यवाद किया।

आईटीईसी कार्यक्रम :

पिछले 6 वर्षों में संचार, प्रबंधन, रक्षा आदि जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण के लिए आई टी ई सी कार्यक्रम के तहत ब्राजील के लगभग 50 लोग भारत आए हैं।

ब्राजील में भारतीय समुदाय :

ब्राजील में पी आई ओ / एन आर आई का भारतीय समुदाय बहुत छोटा है, जिनकी संख्या 2000 के आसपास है। इनमें से ज्यादातर साओ पाउलो, रियो डि जेनेरियो एवं मनुआस में रहते हैं। भारतीय समुदाय में मुख्य रूप से पेशेवर एवं कारोबारी शामिल हैं तथा कुछ वैज्ञानिक एवं शोधकर्ता भी हैं जो कृषि, भौतिकी आदि जैसे विषयों से जुड़े हैं। साओ पाउलो में एक भारतीय संघ है।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, ब्रासीलिया की वेबसाइट :
http://indianembassy.org.br/
भारतीय दूतावास, ब्रासीलिया का फेसबुक पेज:
https://www.facebook.com/indiainbrazil
भारतीय दूतावास, ब्रासीलिया का ट्विटर:
http://www.twitter.com/indiainbrazil

***

जनवरी, 2016